विद्या भवन बालिका विद्यापीठ,लखीसराय

कक्षा-5 तिथि-04/06/2020

विषय-संस्कृत

सुप्रभात बच्चों,

आज संस्कृत में चर्तुथ पाठ ' लिंग तथा वचन' के लिंग के बारे में विस्तार से समझेंगे-

चतुर्थ पाठः

लिंग तथा वचन

***लिंग**

हिंदी भाषा में दो लिंग होते हैं। एकवचन तथा बहुवचन

संस्कृत भाषा में तीन लिंग होते हैं-

1.पुल्लिंग (Masculine)-जिस शब्द से पुरूष जाति का बोध हो, उसे पुल्लिंग कहते हैं।

जैसे- अश्वः = घोड़ा

वानरः = बंदर

बालकः = लड़का

हंसः = हंस

***स्त्रीलिंग(Feminine)-** जिस शब्द से स्त्री जाति का बोध हो उसे स्त्रीलिंग कहते हैं।

जैसे- लूता= मकड़ी

बालिका= लड़की

उर्मिका= अंगूठी

चटका=चिड़िया

***नपुंसकलिंग-(Neuter Gender) –** जिस शब्द से न तो पुरुष जाति का बोध हो और न ही स्त्री जाति का बोध हो,उसे नपुंसकलिंग कहते हैं।

जैसे- फलम् = फल

श्रोत्रम्= कान

कमलम्= कमल

भवनम्= भवन

क. प्रश्नो के उत्तर दे:-

1.संस्कृत में लिंग कितने प्रकार के होते हैं?

2.पुल्लिंग किसे कहते हैं? उदाहरण सहित लिखे।

3.स्त्रीलिंग किसे कहते हैं? उदाहरण सहित लिखे।

4.नपुंसकलिंग किसे कहते हैं? उदाहरण सहित लिखे।

ख. निम्न शब्दों को लिंग के अनुसार अलग-अलग लिखे।

मित्रम्, अश्वः, छात्रौ, सिंहौ, माला, फलम्, गायिका, बालिका, पुस्तकानि, अध्यापिके, नयने, नरा ,पात्रम्, वृक्ष, दुग्धम् ,भोजनम् ,चित्रम् , आम्रम्।

Subject Teacher's-Sumita Kumari